>

Title: Need to provide special package to Bundelkhand region to solve the problem of potable water in the area.

श्री आर.के.ि ंसह पटेल (बांदा): सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश के बुंदेलखण्ड, बांदा, चित्रकूट में लगातार कई वर्षों से कम वर्षा के कारण भूगर्भ जल स्तर नीचे खिसक गया है। जिससे पूर्व में लगे हैण्डपम्प सूख गए हैं। हैण्डपम्पों ने पानी देना बंद कर दिया है। ताल, पोखरे, बांध और नदियां सूख गई हैं। वहां पेयजल का संकट उत्पन्न हो गया है। किसानों के पालतू जानवर और जंगली जानवर सैकड़ों की संख्या में प्रतिदिन मर रहे हैं। पेयजल का गम्भीर संकट खड़ा हो गया है। मैंने बांदा, चित्रकूट में चार हजार हैण्डपम्प लगाने का प्रस्ताव भारत सरकार को दिया था, लेकिन लगभग 1750 हैण्डपम्प भारत सरकार के मानके के अनुसार लगाने के लिए पाए गए, किन्तु अभी तक एक भी हैण्डपम्प नहीं लगाया गया है। बुंदेलखण्ड की पेयजल की समस्या के संबंध में पिछली लोक सभा के बजट सत्र में बुंदेलखण्ड के सांसदों ने गांधी जी की प्रतिमा के सामने धरना दिया था और माननीय प्रधानमंत्री जी ने 7263 करोड़ रूपए का स्पेशल पैकेज बुंदेलखण्ड को दिया था। उस स्पेशल पैकेज में से सौ करोड़ रूपए में पेयजल के लिए हैण्डपम्प लगाने की घोषणा की गई थी, लेकिन अभी तक उन सौ करोड़ रूपए से बुंदेलखण्ड में पेयजल की समस्या हल करने का काम नहीं किया गया है।

मैंने लगातार भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री जी को 14.02.2010 को और नियम 377 के तहत लोकसभा में उक्त मामले को रखा था। 15 मार्च, 2010 को अतरांकित प्रश्न के माध्यम मैंने इस मामले को रखा। 22.04.2010 को मैंने राष्ट्रीय कार्यकारी वर्षा पोषित क्षेत्र प्राधिकरण दिल्ली को भी पत्र लिखा था कि यहां गहरे नलकूप लगाए जाएं, लेकिन अभी तक 7263 करोड़ रुपयों से, जो माननीय प्रधानमंत्री जी ने बुंदेलखंड के लिए दिए थे, उसके लिए कमेटी बनाई गई। उस कमेटी में बुंदेलखंड के सांसदों को बुलाकर औपचारिकता पूरी कर ली गई।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि उस कमेटी को पुनः सक्रिय करके सांसदों के सुझाव से जहां-जहां काम होने हैं, उन कामों को किया जाए तथा तत्काल बुंदेलखंड के पेयजल संकट को दूर किया जाए।

श्री शैलेन्द्र कुमार : सभापति महोदय, मैं अपने को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।